537
H 3

राष्ट्रीय अभिलेखागार पुस्तकालय
NATIONAL ARCHIVES LIBRARY
भारत सरकार
Government of India
नई दिल्ली
New Delhi
1365
10/21
आह्वानांक Call No. _____
अवाप्ति सं० Acc. No. 537

891.431
P 1925

Lalai ka Sukshan Congress aur Stwa
pranthiya Swarajaya & aur Kuch Naye
anusi. वन्देमातरम् in Kisk, u. P.

५२ लड़ाई का

सूक्ष्म कांग्रेसग्राल्हा इतिहास

या

प्रान्तीय स्वराज्य

तथा

कुछ नये कानून

लेखक व प्रकाशक—

पं० छेदीलाल पाण्डेय (भण्डाफोड़)

पो० नौगाँव

जिला फतहपुर (यू० पी०)

सर्वाधिकार स्वरक्षित

आठवींबार ६०००] [मूल्य -)।

महादेव प्रसाद के प्रबन्ध से, अर्जुन प्रेस कबीरचौरा
बनारस सिटी में मुद्रित ।

NATIONAL ARCHIVES LIBRARY
No 537
Date 13.12.71
GOVT. OF INDIA

IMPERIAL RECORD DEPARTMENT.
Regr. No. 2
19 APR 1941

श्री सरस्वती जी सदा सहाय

सचित्र कांग्रेस आल्हा इतिहास



प्रथमैं सुमिरों श्री गणेश को फिर धर सरस्वती का ध्यान
इष्ट देव गुरु मात पिता भजि रक्षा करो श्री भगवान
पड़ी मुसीबत गज पर दौड़े मारा ग्राह बचाई जान
लाज द्रोपदी की फिर राख्यो निकले रंग बिरंगे थान
पड़ी मुसीबत है भारत पर भूखे हैं मजदूर किसान
धनी समझते रंक को कीड़ा पीड़ा पर है नहीं कुछ ध्यान
इक्यावन वर्षों से कांग्रेस देश पै होती है कुरबान
नौरोजी दादा भाई गोखले तिलक ने फूँकी जान
सन् ९ से गांधी जी ने करि नेतृत्व किया एलान
छोड़ विदेशी मादक वस्तु चीजें जल्द हटावो ज्वान
असहयोग अन्दोलन छेड़ो लेलो शान्ती की तलवार
चरखा चक्र सुदर्शन लेलो होवे वस्त्र विदेशी छार
छोड़ मदरसा कालेज लड़को और वकील ओड़ो इनलास
देश भक्त सब खद्दर पहिनो फैशन से होता है नाश

दबी बायसी कांगरेस की झंडा उठा शूरमन क्यार
देख तिरंगा भी अड़बंगा होवे गांधी की जयकार
निकला गोला जब चरखा से लंका शायर दिया हिलाय
चेहरा सूखे अंग्रेजन के अक्कलि सबै हवा हुइ जाय
व्योरेवार जो लिखों लड़ाई तो फिर बाढ़ जाय इतिहास
सूक्ष्म करके बतलाऊँगा जिसमे समझो बिना प्रयास
रौलट एक्ट बन गया जिससे हो संगठन न बैठो पास
चार आदमी मिलो न बैठो यह कानून हो गया पास
बिजली दौड़ गई भारत में कोई धीर धरैया नाय
जगह जगह में मीटिंग होती जनता सबै गई बिलाय
भाषण होने लगे बीरन के बरणन लागे अत्याचार
जोर जुल्म की बधी भूमिका बड़ गये बड़े बड़े सरदार
जालियाँ वाला कांड हो गया जूझे मदन आदि बलवान
बम के गोला बन्दूकन से फौज ने काट किया खलिहान
मोती बीर जवाहर दौड़े औ० सी० आर० दास बङ्गाल
लाला लाजपति श्रद्धानन्द जी किचलू आदि बीर सतपाल
शौकत अली मुहम्मद आये विद्यार्थी कानपूर क्यार
कैद हो गये फिर सब लीडर देश में बेढब उठा जुआर
मैं तय्यार वारडील तो चौरा चौरी मचा फिसाद

सत्याग्रह स्थगित कर दिया जिससे हो न मुल्क बरबाद
पहिली लड़ाई भै खेड़ा में मुरचा विजय अहिंसा क्यार
अफ्रिका में गांधी जी ने जीता और दुख सहे अपार
चम्पारन में डंका बाजा मिटिगा ज़ुल्म हुआ उद्धार
जीत बोरसद में फिर होइगै चहुँदिश कांग्रेस की जयकार
सन् २२ में झण्डा सत्याग्रह जीता नागपूर मैदान
फिर मुन्शी पेठा सत्याग्रह का वापठ ने गही कमान
पटुआ खाली सत्याग्रह में देश से गये हजारों ज्वान
बारडोली के सत्याग्रह में श्री पटेल जीते मैदान
गांधी जी भी जेल गे छूटे गया कांग्रेस पहुँची आय
तब स्वराज्य पार्टी बन गई हो गई फूट देश थर्राय
लंडन से सायमन कमीशन आया जाँचन हिन्दुस्तान
बायकाट किया भारत ने हरसूँ देख पड़ा तूंफान
दे इस्तीफा फिर रण परिगा फिर सन् ३० पहुँचिगा आय
नमक की धावा की का बरणों योधा सबै बड़ै रिसिआय
गली गली में नमक बन गया औ बिक गया बज़ार बज़ार
अन्धाधुन्ध मचा रण हरसू औ चौतरफ होय जयकार
धरसाना को गाँधी जी ने टुकड़ी लेकर घेरा जाय
तय्यब जी औ सरोजनी ने मुरचा फतह करायो आय

बड़े २ लीडर सब दौड़े होने लगा घोर संग्राम
बीर हजारन फिर जेलन गे औ हर जगह मचा कोहराम
ल ल झंडा बहन दाढ़ा जल कृष्ण भूमि बन जाय
तिल धरिबे की जगह न बाकी तब तो अंगरेज चकराय
विद्यार्थी गणेशशंकर जी जो थे कानपूर की जान
हिन्दू मुस्लिम के एका में योश दौड़ हुआ बलिदान
इरबिन गांधी का समझौता भा तब दिल्ली के दरम्यान
गोलमेज कान्फ्रेन्स में पहुँचे गाँधी मालवीय से ज्ञान
बड़ी बहस औ भा मुबाहिसा निकला कुछो नतीजा नाय
हलचल मचिगा सारे देश में आर्डीनेंस रहा मड़राय
कोऊ कोहू से बोलेना दे ईमदाद न भाई भाय
लौटत फिर सत्याग्रह छिड़गा गाँधी जेल पहुँचगे जाय
लगानबन्दी भै यू० पी० में अगुवा बने जवाहरलाल
बड़े २ लीडर सब दौड़े जेलें भरन लगीं तत्काल
बालकृष्ण कंटक औ मुरारी चन्द्रभान औ मोहनलाल
कालीचरण नरेन्द्र देव जी शिवप्रसाद ने ठोंकी ताल
आसिफअली गोपालचारो सत्यमूर्ति खान गफ्फार
नरीमैन द्वारिका गोबिंद रविशंकर अभ्यङ्कर यार
सेनगुप्त औ सुभाष बाबू शरदबोस राजेन्द्रलाल

दीपनारायण नीलकण्ठ जी और शिवराम बिशम्भरदयाल
श्री सय्यद महमूद खानजी आवारी बारी आज़ाद
हामिद समलू दामोदर जी औ सम्पूर्णानन्द हीदाद
भा शार्दूलसिंह बंशीधर जय प्रकार हर गोविन्दलाल
बड़े बीरबल कृष्णसिंह जी और श्री पन्त औ प्यारेलाल
बिट्ठल भाई बल्लभ भाई हरिहर नाथ व सूर्यप्रसाद
रामदुलारे लालबहादुर मस्तराम विद्या प्रहलाद
श्री जयरामदास पटवर्धन जमुनादास व पालीवाल
इन्द्र प्रजापति रामनाथ जी विश्वनाथ व शंकरलाल
देवीदास मातु अनसुइया सरूपरानी राघवदास
भरथ शिवबली खरे सुभद्रा श्री नर्वदा व रामप्रसाद
कृष्णकांत श्री मालवीय ने बूढ़े पन में गही कमान
तय्यब जी श्री कमला नेहरू सरोजनी भी पहुँची आन
हंसा मेहता अनुसुय्या जी विजयलक्ष्मी पंडित आर
के० एम० मुन्शी भूला भाई हसबी गोबिंद शरदकुमार
टंडन श्री प्रकाश तब दौड़े फतेहपूर के वंश गोपाल
युगुल किशोर ब्रह्मचारी जी नौगाए से छेदीलाल
नाम गिनाऊँगा जो सबका तो फिर बाढ़ जाय इतिहास
गये हजारों योधा रण में शांती दिये परम हुलास

ज़मीदार व्यापारी दौड़े दौड़ पड़े मजदूर किसान
बहनैं दौड़ी ले २ बच्चा ऐसा आय गया तूफान
और बयरियाँ डोलन लागीं औरै होन लागे सामान
ऐसा जंग चढ़ा बीरन के पहुँचे जेल हजारन ज्वान
लम्बी धोतिन के पहरैया उन नारेन की पकड़ी राह
जुल्फै सुरमा माटी है तन में रहे न देश की चाह
हमें न पकड़ो हमें न पकड़ो हम हैं खैरख्वाह सरकार
सदा रहे सरकार के ताबे हमें न काँग्रेस की दरकार
सौदा लेन गये बज़ार में तब तक होन लगी जयकार
हम का जानी जय बोले से देहैं आप हथकड़ी डारि
आयर कायर माफी मागैं देखें जेल देह थर्राथ
आवे याद मलाई लड्डू देवी देवता रहे मनाय
माफी मिलती जो जेलन से सिन्नी घरै चढ़ौतिन जाय
नाम न लेवे फिर झण्डा का हे परमेश्वर लेव बचाय
कहाँ से आय गयेन झगड़ा मां पीसै तीस सेर की रोज़
देवी भवानी माफ़ी देदो छूटत घर मां देवे भोज
हाय गुसैयाँ यह कैसी भै कैसी पड़ी समथ्या आय
हम का जानी यह गति होई वाडर काल रूप दिखलाय
माफी कमजोरों ने माँगी बाहर थुड़ थुड़ हुई जाइ

पैदा होते तुम मर जात्यो करिया मुँह न दिखौस्यौं आय
बड़े बहादुर तब आगे को झंडा लिये करैं जयकार
जेलै जाकर डंडा लाठी घूँसा थप्पड़ खावें मार
जेलैं सब स्कूल बन गईं ऐसी लगी समस्या आय
नई २ जेलैं बनबाई तिसपें कैदी दिये घसाय
एक पकड़ जा तो दस आवें दस के गये सैकड़ों भाय
सौ के पकड़े जाँय हजारो जनता सबै गई झुझलाय
झुरमुठ परिगा तब जेलन में जेलर अक्ल हवा हुवै जाय
कहाँ से आये यह तूफानी इनसे पेश न एकौ भाय
चक्कर खाय गये सरकारी अफसर यह क्या मचा बवाल
बड़े २ लीडर पकड़ेंगे पकड़े गये जवाहरलाल
जोर पकड़गा आर्डीनेन्स फिर जप्ती बैंत जुल्म मड़राय
कुड़की और जुरमाना होइगे सत्याग्रही गये चकराय
फिर सत्याग्रह हुआ व्यक्तिगत निकला गांधी का फरमान
घर २ कांग्रेस आफिस होइगा वालंटियर बने सब ज्वान
बीर हजारन फिर जेलनगे खाई मार मचा घमसान
डंडा लाठी औ कुन्दन से पीटे गये हजारों ज्वान
पार्लियामेंट ने हवाइट पेपर अपने मन से दिया बनाय
जबरन लाद दिया भारत पर लेलो नहीं गजब हुइ जाइ

बन्द लड़ाई कर कांग्रेस ने फिर रचनात्मक छेड़ा काम
मुरचा मारा असेम्बली का डिस्टिकबोर्ड म्युनिस्पल आम
सन् ३७ में हुआ एलक्सन कांग्रेसकी कड़ी लगाम
अची सनसनी फिर भारत में होने कठिन लगा संग्राम
कोर जबाहर फिर उठ दौड़ा उड़न खटोला लिया मगाय
रात चले औ दिनभर दौड़े बिना काम ना कतौं बताय
सिंध दौड़ बम्बई दौड़गा फिर मदरास पहुँचगा जाय
फिर बंगाल उड़ीसा पहुँचा और फ्रांटियरका दिहिस हिलाय
कर्नाटक बिहार औ यू. पी. सी. पी. फिर बरार आसाम
आन्ध्र करांची पूरब पश्चिम उत्तर दक्खिन रुकी लगाम
लाखो जनता तुरतै पहुचे स्वागत करे राजसी ठाठ
बन्दन तोर पताका फाटक दगै सलामी हाट औ बाट
दे स्पीचें जबै मंच पर योधा रक्त बरण है जाय
ध्यान राख लेउ तुम कांग्रेस की हिंद की इज्जत लेव बचाय
घर घर हौके और ललकारे बीरों झण्डा लेउ उठाय
कौंसिल भरदो कांग्रेस से दुश्मन निजी लेउ हथियाय
अब की धोखा जो तुम खैयौ जान्यौ लगी ठिकाना नाय
पीस जावगे तुम शासन से जी हजूर डारिहैं खेताय
राय बहादुर खानबहादुर जमीदार डारि हैं दबाय

साफ बतादो हम कांग्रेस का देवे ओट काल किन आव
धज्जी उड़ादेव शासन की जी हुजूर सब गिरें उतान
पैदल पहुँच जाव पोलिंग पर हाथ में लेलो शांति कमान
आओ २ मेरे शाहजादो झंडा ऊपर देव उठाय
जोश दिखाय देव भारत का दुश्मन सबै जायं थर्राय
बीर बनाये मिट जैबै को खटिया परके मरै बलाय
दूध हलाल करो माता का बेढब परी समस्या आय
खटिया परिके जो मरि जैहौं कोउ नाम लैवैया नाँय
झण्डा लीन्हैं जो मरि जैहौं तो इतिहास अमर होइ जाय
करि करि मीटिंग सारे देश में एक दम बढ़ा जोश तत्काल
सारा भारत कब्जा कर के गरजा बीर जवाहर लाल
हिंद भरे मा हलचल मचिगा सारा भारत दिया जगाय
उल्टा मामला सोधा होइगा ऐसी लगी समस्या आय
राय बहादुर खानबहादुर माटरेट सब गये सुखाय
हाय गुसैंयाँ या कैसी भई सारे वोट गये बहकाय
दबा बायसा कांग्रेस का ऐसा बढ़ब उठा उबाल
कांग्रेस का झण्डा ऊँचा कीन्हें बीर जवाहर लाल
मोतीलाल के शहजादे की क्या छबि बरणैं छेदीलाल
खाना पीना सोना छोड़े दौड़ा करें जवाहर लाल

जी हजूर सब फक्क हो गये कायर कूयर चले पराय
देख जमानत जप्त बहुत से अपना रूपया लिहेन उठाय
जगह २ पै कांग्रेस जीती हारे बड़े २ सरदार
राजा और महराजा हारे हारे खैरख्वाह सरकार
लुटिया डूबी जी भक्तों की रायबहादुर गिरे उतान
प्रेसीडेन्ट मिनिस्टर हारे पड़ी जमानत पर भी आन
कांग्रेस बागी पस्त हो गये ऐसा लगा समस्या आय
किसान औ मजदर जीति गये कांग्रेस का झण्डा फहराय
छै प्रान्तों में कब्जा हो गया बम्बई मध्य प्रान्त मद्रास
सूबा हिंद और जिता उड़ीसा और बिहार ने पूजी आस
झगड़ा परिगा कन्वेशन में बेढब देहली के दरम्यान
मची वजारत में दलबन्दी गाँधी जी ने गही कमान
कुछ दिन चला तहलका मचिगा फिर बर्धा में पहुँचे जाय
बैठ कमेटी किया फैसला ले लो मंत्री पद हर्षाय
सीमा गांधी गे सीमा में कांग्रेस की बढ़ गई जमात
कांग्रेस गौरमेंट कायम भै अब तो प्रान्त हो गये सात
छोड़े गये धड़ाधड़ कैदी बदले पहिले के ख्यालात
अहिंसात्मक अश्वासन ले ले कांग्रेस नीती की बात
लगी फ़रवरी जब अड़तिस की हरीपुरा कांग्रेस भा जाय

सुभाष बाबू प्रेसीडेंट भे आये सबै वीर समुदाय
बिहार यू. पी. के मन्त्रिन से हुआ गवर्नर में मतभेत
इस्तीफा मन्त्रिन के होइगे भारथ लंदन मा भा खेद
त्याग सराहैं सब मन्त्रिन के कांग्रेस में फिर मचा विवाद
बढ़ा लंगोटी का लगवैया लिखने लगा पूर्ण सम्बाद
नकशा खींचा कानूनों का विजयी भया मिटा बकवाद
झट काहे इस्तीफ़ा लौटा घर घर मचा प्रेम अह्लाद
सी० पी० में फिर खरे कांड भा कुः दिन बढ़ा घोर एतराज
संकट टलिगा प्रधान मंत्री चुन गये रविशङ्कर महराज
सिन्ध की नैया डगमग डोलै सिक्का जमा हुई जयकार
फिर आसाम भी मिला आकर सूबा आठ कांग्रेस क्यार
प्रेसीडेंट का फिर चुनाव भा त्रिपुरी कांग्रेस पहुँची आन
वोट पड़े श्री सुभाष बाबू हारे सीतारमैया उत्थान
भई शान की त्रिपुरी कांग्रेस आये बड़े २ सरदार
५२ हाथी का २थ निकला जनता आई बेशुम्मार
धूम मच गई सारे देश में पन्त का पास हुआ प्रस्ताव
गरम नरम दल में फिर खिच गई आपस में भा मन मुटाव
कलकत्ते में फिर चख चख भई इस्तोफ़ा दे दियो सुभाष
श्री राजेन्द्र सभापति चुन गये श्री भ..वान पै सबकी आश

कांग्रेस की सरकार बन गई मिल गये थोड़े से अधिकार
अब इतिहास छोड़ कांग्रेस का सुनलो मिला है क्या उपहार
म्यूनिस्पल बोर्ड आदिक खैराती संस्थायें अस्पताल
तीर्थयात्रा शिक्षा मिल गई और मिल गया स्वास्थ्य-व्यौहार
प्रान्त के पबलिक मकान मिल गये जमीन भी लेलेना यार
चलन फिरन के पथ पुल सड़कें ट्राम रेलवे पर अधिकार
म्यूनिस्पल क्षेत्र को ट्राम्बे नहर सिंचाई का व्योहार
मालगुजारी भी खेतों की बन्दोबस्त जमीनन क्यार
खेतों की जमीन और पट्टा कृषक लगान और मालगुजार
कोरट आफ़ वोरड भी लेलो कर लो तुम पूरा अधिकार
कृषि सम्बन्धी भूमि की उन्नति कर्ज रफ़ा का करो उपाय
सम्राट की भूमि का भी करना प्रबन्ध अब होगा भाय
मालगुजारी भी सूबे की से पेन्शन व्यय रखना याद
खरीदना अधिकार है पहला कृषि उन्नति साधन औ दाद
मिला मवेशी का भी मुहकमा और मछली पकड़न के खार
कोओपरेटिव सोसाइटी भी जङ्गल पर पूरा अधिकार
व्यापारिक साहित्यक और वैज्ञानिक धर्म सभायें यार
मादक वस्तु शराब आदि के बनवाने का है अधिकार
टैक्स नशीली चीज़ों पर और प्रान्त के न्यायकोर्ट अख्त्यार

माल कोर्ट का भी प्रबन्ध हो रक्षक है कांग्रेस सरकार
प्रान्त कोर्ट के क्षेत्र तथा अधिकार का निर्णय है स्वीकार
प्रान्तीय सब नौकर चाकर सदा रहेंगे ताबेदार
बेस्टाप फीस तो संघ राज्य में नहीं मिले हैं भाय
दस्ताबेज रजिस्ट्री चल जायदाद का करना पड़े उपाय
जन्म मरण का लेखा धर्मादाय खान उन्नति उद्योग
और वाणिज्य व्यापार वस्तु पैदा आदिक का है संयोग
धन्धों का उद्योग औ उन्नति बिजली का भी उपयोग
कल और कारखाने भी ले लो नियम बना लो तोड़ो रोग
बोइलर गैस धुयें से दिक्कत न हो ढूँढ़ लो ऐसी राह
खाने पीने की चीज़ों में न हो खराबी तब हो वाह
तौल तार के बाँट बनालो प्रान्त का लो बाणिज्य व्यापार
प्रान्त के दण्डनीय दोषों को छोटे बन्दरगाह भी यार
प्रान्तके सब जल मारग मिल गये करलो तुम पूरा अधिकार
पुलिस रेलवें गाँव की लेली नाटक और सिनेमा यार
शर्त लगाना जुआ खेलना पशु पक्षी रक्षा का ख्याल
हिंसक पशु पक्षी की रक्षा मोटर प्रान्त के भीतर चाल
मृत्यु खोज सन्देह अचानक वाले अफसर पर अधिकार
जाती सबै जरायम पेशा और अंग्रेज अखारा यार

देखो जेलों और सुधार गृह कैदी लोगों का हो ख्याल
आवारा पशु के बन्दी गृह और दफीना देखो लाल
प्रान्त के सभी अजायब घर लो और पुस्तकाल यव्यवहार
प्रान्त के कौंसिलका चुनाव सम्बन्धी दोस्त व झगड़ा यार
प्रान्तीय सर्विस व कमीशन संघ के इन्कम टैक्स पै टैक्स
मालगुजारी प्रान्त वसूली मदद गरीबों का हो लैस
पेन्शन बूढ़ों कमजो ों की कर्जा देव दिलाओ यार
कबरें छोड़ के अंग्रेजन की औरन मा पूरा अधिकार
प्रान्तीय कानून को प्रचालत करके दण्ड दिलाओ भाय
बिधान में हैं दर्ज मामले कौंसिल जिन्हैं गनायौ . नाहिं
संघ राज्य के कानूनों का करना तुमको पड़े प्रचार
सब चीजों अङ्क विषय जो सूची एक तीन ना चार
इन उपरोक्त विषय सम्बन्धी सब पर है कांग्रेस सरकार
धोखा खाना मत इतने में इसको खूब समझ लो यार
जितना मिल गा है भारत को उतना तुम्हैं बताया यार
अब जय बोलो तुम कांग्रेस की कायम हो कांग्रेस सरकार
मेम्बर बनो स्वयंसेवक भी झण्डा दर दर लेउ उठाय
करो संघठन खद्दर पहिनो हिंद मुसल्मान सब भाय
ज़ान डाल दो तुम भारत में योधा चुनो जवाहर लाल
आज्ञा मानो सेनापति की चाहे सन्मुख आवे काल
कलम बन्द भई छेशीलाल की रक्षा करो श्री भगवान
पूर्ण स्वराज्य देव भारत को सुखी रहे मजदूर किसान

यू० पी कांग्रेस के मंत्रिमण्डल का कार्यक्रम

हमरी कांग्रस का मंत्रीमण्डल अभी से रङ्गत दिखा रहा है

अध्यक्ष लीडर बनें हमारे शुरू से बन्दे ही गा रहा है
तिरङ्गे झण्डे लगे बटन में और सर में आजादी गाँधी टोपी
जमाना बदला या बदला शासन जो राह सीधी बता रहा है
हजारों रुपया मिनिस्टरों को मिला जो करता था शाही वेतन
हमारा मंत्री तो पाँच सौ में ही अपनी डिउटी बजा रहा है
स्वतंत्रता मिल गई है पत्रों को लेख लिखने या छापें खबरें
जमानतों की हुई थी जब्ती उन्हैं भी वापिस दिला रहा है
हमारी संस्था जो गैरला थीं हटादी पाबंदी स्वच्छ बिचरें
हमारे योधा जो कैद में थे उन्हैं भी फौरन छुटा रहा है
जो मील मालिक मजूरदल में पुराना झगड़ा ही चल रहा था
हटाई दिक्कत मिलाया आपस में प्रेम दिन दिन बढ़ा रहा है
कृषक जमींदारों के भी झगड़े कमेटी बनकर करे फैसला
रुकी बेदखली न खेत छूटे क्षुधित को रोटी दिला रहा है
इजाफा होगा लगान ना अब रुकी रहैगी बकाया नालिश
मौरूसियाँ भी अब काश्त होंगी किसान दल को जगा रहा है
जमीन बागैं दरख्त होंगे रुके रहैंगे न जुल्म होगा
जमींदार को लगान रुकने से जेल जाना छुटा रहा है
नदी किनारे की भूमि पर भी उठा बेदखली का दौरदौर
माफियों पर लगान लाना या जब्त करना रुका रहा है
बजट में हरिजन कुँआ बावली औ ग्राम उन्नति की है व्यवस्था
चराई पशु की पड़ेगी आधी हमारा गोधन बढ़ा रहा है
पुलिस की खद्दर की ड्रेस होगी रहेगा कांग्रेस का बोलबाला
पुलिस अदालत की रिश्वतों की भी रोक कर जड़ हिला रहा है
पड़ेगा किश्तों से कर्ज देना किसान को होगी खास रियायत
बेगार नजराना घूँस भूसा हरी की आदत मिटा रहा है

किसान दल के खिलाफ डिग्री दिवानी भी स्थगित रहेगी
रहेगा हर बातों का सुभीता मुसीबतें सब मिटा रहा है
कलक्टरी का है हुक्म कांग्रेस से मेल रक्खो औ हुक्काम के
मजिस्ट्रेट भी हटे अन्धारी क्या रङ्ग कांग्रेस में आ रहा है
एटा औ मैनपुर जिले में शराब बन्दी का है अयोजन
उपध्यक्ष कौंसिल व स्टूडेंटों को राजनीति बता रहा है
विदेशी चीजें सरकारी अफ़सर अगर खरीदें वजह बतावें
उपाधियाँ अब नहीं मिलेंगी मिली भी जब्ती करा रहा है
पढ़ाई भी बालिगों की होगी देहात में रेडियो लगेंगे
रात को भी पढ़ाई होगी औ वाचनालय खुला रहा है
दस लक्ष व्यय होंगे शिल्पकारी सिखेंगे कारीगरी कुछ गण
बारोड़ रुपया से बैंक खुलकर कम ब्याज में धन दिला रहा है
दशम भाग में हों पेड़ लकड़ी के और बाकी लगायें बाग
पिता के मरने पर बाल बच्चों का हक्क कायम करा रहा है
रेहन में जिनकी हैं जायदादें बरस तीस भी गुजर चुके हैं
न ६० वर्षों से होगी ज्यादा उन्हें तो वापस दिला रहा है
जमींदार ना जमीं का मालिक वरन वसूली का धर्ता कर्ता
जमीन के मालिक किसान रहेंगे व कर्ज़ ला भी बना रहा है
नहीं है कुछ जिनके पास भू भी उन्हें गाँव में दिलाई जावे
पुराना जिनका पड़ा बकाया उन्हें माफ कर जिला रहा है
सी. आई. डी. भी रिपोर्ट पबलिक सभा में जाके नहीं लिखेगी
पुलिस से कहता है रङ्ग बदला जमाना सतयुग का आ रहा है
खुश हाल जिससे गरीब होंगे चलेंगे मंत्री भी चाल वैसी
उठो हो बेदी लाल हैं लाली स्वतंत्र सूरज दिखा रहा है

मुद्रक— अर्जुन प्रेस, कबीरचौरा काशी ।

छेदीलाल ग्रन्थमाला की अपूर्व पुस्तकें पढ़िये

हिन्दू संसार में हलचल मचाने वाली

सरल रामायण मू० ≈)॥

५२ लड़ाई का कम्पेस आल्हा ,, ≈)॥

कलियुग का प्रथम चरण जमाने का भंडाफोड़ मू० ≈)

जेलखाने की चटनी ,, ≈)॥

पूरी सिट ,, ≈)

पुस्तक मिलने का पता-

मैनेजर पं० मोतलाल पाण्डेय

पो० नवगाँव जिला फ़तहपूर

(यू पी.)